

सूपच पुं. (तद्.) श्वपच, चांडाल।

सूप-झरना पुं. (देश.) अनाज फटकने या अनाज छानने का एक प्रकार का सूप जिसका तल छलनी की तरह छेद वाला होता है, जिससे बारीक अनाज नीचे गिर जाता है और मोटा अनाज ऊपर रह जाता है।

सूपड़ा पुं. (देश.) 1. सूप, छाज जिससे अनाज फटका या साफ किया जाता है।

सूप तीर्थ पुं. (तत्.) ऐसा तालाब जिसमें नहाने के लिए अच्छी सीढ़ियाँ बनी हों।

सूपनखा/सूर्पणखा स्त्री. (तत्.) शूर्पणखा नामक रावण की बहन, एक राक्षसी जिसके नाक और कानों को लक्ष्मण ने काट दिया था, वह दण्डकारण्य में अपने भाइयों खर और दूषण के साथ रहती थी।

सूपशास्त्र पुं. (तत्.) पाकशास्त्र, भोजन बनाने की कला या विद्या।

सूप स्थान पुं. (तत्.) पाकशाला, रसोईघर।

सूपा पुं. (देश.) सूप, छाज।

सूपिक पुं. (तत्.) 1. पकी हुई दाल या तरकारी का रस 2. रसोइया या सूपकार।

सूप्य वि. (तत्.) 1. सूप के योग्य, जिसका सूप या शोरबा बनाया जा सके 2. सूप संबंधी, सूप का पुं. रसदार तरकारी आदि।

सूफ पुं. (अर.) 1. ऊन, ऊर्ण 2. अनाज फटकने का सूप।

सूफिया पुं. (अर.) मुसलमान साधुओं के एक संप्रदाय से संबंधित, जिसकी साधना पद्धति में प्रेम और विरह महत्वपूर्ण हैं।

सूफियाना वि. (अर.) 1. सूफियों के समान विचारों अथवा जीवन शैली वाला 2. सादगी पसंद।

सूफी पुं. (अर.) 1. मुसलमानों का एक संप्रदाय जिसकी साधना पद्धति में प्रेम और विरह महत्वपूर्ण हैं 2. उक्त संप्रदाय का संत या अनुयायी।

सूब पुं. (देश.) 1. ताँबा 2. सुनार।

सूबड़ा पुं. (तद्.) 1. ताँबे और जस्ते के मेल वाली चाँदी 2. सुनार, स्वर्णकार।

सूबस वि. (देश.) अच्छी तरह से बसा हुआ, सुवसित।

सूबा पुं. (फा.) देश का कोई प्रशासकीय भाग, प्रांत, प्रदेश।

सूबेदार पुं. (फा.) 1. मध्य युग में राज्यपाल के समान प्रांत या प्रदेश का सर्वोच्च अधिकारी, सूबा अधिकारी 2. सेना में एक छोटा अधिकारी, जमादार।

सूबेदारी स्त्री. (फा.) 1. सूबेदार का पद या काम 2. सूबेदार होने की अवस्था या भाव।

सूभर वि. (तद्.) 1. अच्छी तरह भरा हुआ 2. शुभ, सफेद, सुंदर।

सूम पुं. (तत्.) 1. दूध 2. जल 3. आकाश 4. स्वर्ग 5. फूल वि. (अर.) शूम-जो कंजूसी करता हो, कंजूस, कृपण 2. अशुभ, मनहूस 3. लहसुन, लशुन।

सूमता स्त्री. (अर.) कृपणता, कंजूसी।

सूय पुं. (तत्.) 1. सोम रस निकालने की क्रिया 2. यज्ञ (राजसूय यज्ञ)।

सूयाक्षित पुं. (तत्.) 'विष्णु' वि. सूर्य के समान नेत्रों वाला।

सूरंजान पुं. (फा.) आयु. 1. सूरिंजान (सिंघाड़े के आकार की औषधि) 2. केसर की जाति का एक पौधा जिसका कंद दवा के काम में आता है, वह मीठा और कड़ुवा दोनों प्रकार का अलग-अलग होता है।

सूर पुं. (तत्.) 1. सूरज, सूर्य 2. अर्क 3. आक या मदार का पौधा 4. पंडित, विद्वान 5. महाकवि सूरदास 6. सोम 7. पिंगला नाड़ी, सूर्य नाड़ी (योग.) 8. छप्प्य छंद के 71 भेदों में से एक भेद 9. सूअर 10. भूरे रंग का घोड़ा 11. पठानों की एक जाति- "शेरशाह सूरी" 12. शूर, वीर, बहादुर पुं. (अर.) कुरान की सूरत (कुल 114 सूरतें कुरान में हैं)